

- EMERY : अश्मसारः (?).
- EMETIC : वान्तिकरः (री, रं), and sim. comp.s.
- EMIGRANT : *निर्वासिन् (f. नी); स्वदेशत्यागिन् (f. नी).
- EMIGRATE : *निर्वसति (वस्, c. 1.), *e. d to America* : आमेरिकां निरुधुः ; वासार्थं देशान्तरं गच्छति, व्रजति, etc.
- EMIGRATION : *निर्वासः.
- EMINENCE : I. A height : q.v. : उन्नतभूमिः. II. Exaltation : q.v. : (1) उत्कर्षः or प्रकर्षः ; (2) उन्नतिः, सम्-. III. As a title : भगवत् (f. ती).
- EMINENT : (1) उत्कृष्टः (द्य, दृ) : v. Excellent ; (2) विश्रुतः (ता, तं) : v. Celebrated ; (3) असाधारण (f. णी) : v. Uncommon.
- EMINENTLY : (1) अति- in comp. : v. Exceedingly ; (2) विशिष्टम् : v. Especially ; (3) शोभनम् : v. Well.
- EMISSARY : (1) चरः ; (2) चारः ; (3) प्रणिधिः.
- EMISSION : I. Lit. : (1) मोक्षः ; (2) विसर्जनम् ; (3) निर्गमः or निष्क्रमः (=coming out) ; (4) उद्गारः (=throwing up) ; (5) स्रावः (=flow). II. Animal : रेतस्खलनम्, रेतःस्रुतिः ; रेतःक्षरणम् ; वीर्यनिषेकः ; etc. Ph. : *he had e.* : अस्य रेतः चस्कन्द or सुस्राव, Mah.
- EMIT (v.) : (1) मुञ्चति निर्-, वि-, प्र-, (मुच्, c. 6.), *e. ted steam* : उष्माणममुञ्चत्, Ku. ; *to e. water* : अपो मुञ्चति, Ki. ; (2) विसृजति (सृज्, c. 6.), *to e. fire* : अग्निं विसृजति, Sa. : v. To send forth, throw out, vomit. *To be e. ted.* : i.e. to come out : q.v. : नि- सरति, प्र-, (स्र, c. 1.), *from the bow arrows were e. ted* : धनुषः शराः प्रसस्रुः, Si.
- EMMET : पिपीलिका : v. Ant.
- EMOLLIENT : I. Adj. : स्नेहनः (नी, नं). II. Subs. : स्नेहनम्.
- EMOLUMENT : लाभः : v. Gain, salary.
- EMOTION : I. Feeling : q.v. : रसः, *the tender e.* : करुणरसः, U. II. Excitement : q.v. : (1) विकारः, विकृतिः, or विक्रिया, *seeing the e. s (of Nala) of holy fame* : पुण्यश्लोकस्य विकारं दृष्ट्वा, Mah. ; (2) अपकृतिः (rare), *unable to control her e. s* : अपकृतीर्विनियन्तुमक्षमा, Ki. i. 27.
- EMPALE : I. To enclose : q.v. II. To put to death : शूलं or शूले or शूलायाम् आरोपयति (c. of रूह्), P. ; शूले निवेशयति (c. of विश्), Viv.
- EMPEROR : (1) सम्राज् (m.) ; (2) महाराजः ; (3) अधिराजः ; (4) राजराजः ; (5) राजाधिराजः ; (6) राजेन्द्रः ; (7) अधीश्वरः ; (8) सार्वभौमः (rare), *e. of the gods* : देवतासार्वभौमः, Kuv.
- EMPHASIS : शक्त्युत्कर्षद्योतकोक्तिः, (after Tārā-nāth).
- EMPHASISE : शक्त्युत्कर्षद्योतनाय द्रव्ययति (nomi.) (?).
- EMPHATIC : (1) दृढः (दा, दं) (=firm) ; (2) निश्चितः (ता, तं) (=certain) ; (3) सबलः (ला, लं) (=forcible).
- EMPHATICALLY : (1) दृढम् (=firmly) ; (2) निश्चितम् (=certainly) ; (3) बलात् (=forcibly) ; (4) सगौरवम् (=gravely).
- EMPIRE : (1) साम्राज्यम् ; (2) अधिराज्यम् (rare) : v. Kingdom.
- EMPIRIC (subs.) : I. A quack : कुवैद्यः. II. An examiner : q.v.
- EMPIRICAL : I. In good sense : दर्शनसिद्ध (f. द्वा). II. In bad s. : असिद्धः (द्वा, दं).
- EMPIRICALLY : I. In good sense : बहुदर्शनेन. II. In bad s. : अविद्यया.
- EMPIRICISM : i.e. quackery : अशास्त्रचिकित्सा (?).
- EMPLOY (subs.) : v. Employment.
- EMPLOY (v.t.) : I. To use : q.v. : प्रयुक्ते. II. To commission : (1) नियुक्ते or योजयति (युज्, c. 7. and 10.), *e. (me) without any hesitation in what are to be done* : कर्तव्येष्वविशङ्कितया नियुज्यताम्, K. ; (2) व्यापारयति (c. of पृ), *e. ed to break their confederacy* : तत्संहतिभेदाय व्यापारिताः, Mu.
- EMPLOYEE : (1) अधिकृतः ; (2) नियोज्यः, Sa. : v. Officer.
- EMPLOYER : (1) नियोजकः ; (2) प्रयोजकः.
- EMPLOYMENT : I. Lit. : (1) प्रयोगः ; (2) नियोगः. II. Occupation : कर्मम् (n.), *to dismiss from an e.* : कर्मणोऽपकर्षति, Mah. : v. Service, livelihood, office.
- EMPORIUM : वाणिज्यस्थानम्.
- EMPOWER : क्षमतां ददाति (दा, c. 3.) : v. To authorize.
- EMPRESS : (1) अधिराज्ञी ; (2) महाराज्ञी ; (3) राज-राजेश्वरी ; (4) राजाधिराज्ञी.